ont>

Title: Need to bring Marathwada zone under Central Railways.

श्री सुरेश रामराव जाधव (परभनी) : अध्यक्ष महोदय, विगत 12 अप्रेल, 2003 को नई नांदेड़ डिवीजन के माननीय रेल राज्य मंत्री के उद्घाटन समारोह के अवसर पर पूरे मराठवाड़ा की जनता ने प्रदर्शन किया, नारे लगाए और एजीटेशन किया। मराठवाड़ा के लोगों की सन् 1965 से यह मांग चली आ रही है कि नान्देड़ डिवीजन जिसे साउथ सेंट्रल रेलवे में रखा गया है उसे वहां से हटाकर सेंट्रल रेलवे में रखा जाए। मराठवाड़ा की जनता की भााा मराठी है और हमारे पूरे नांदेड़ डिवीजन के लोग मराठवाड़ा और महाराट्र से संबंधित हैं। यह सारा क्षेत्र सेंट्रल रेलवे डिवीजन में आता है जिसका मुख्यालय मुम्बई है।

यह जो नांदेड़ डिवीजन है, इसे साउथ सेंट्रल से निकाल कर सेंट्रल रेलवे में लाना है। मराठवाड़ा की जनता की पिछले कई दशकों से यह मांग चली आ रही है कि मराठवाड़ा क्षेत्र में पड़ने वाली रेल लाईनों को दक्षिण मध्य रेलवे से स्थानान्तरित करके मध्य रेलवे के अंतर्गत लाया जाए, क्योंकि दक्षिण मध्य रेलवे ने पिछले 50 सालों से मराठवाड़ा क्षेत्र की पूरी तरह उपेक्षा की है। दूसरी ओर भााायी कठिनाइयां और नौकरी की प्रोबलम भी है। मध्य रेलवे का मुख्यालय भी मुंबई में है, जो हमारे प्रदेश की राजधानी है। यह जो पिछले 50 सालों से मराठवाड़ा के साथ अन्याय किया जा रहा है, इस अन्याय को देखते हुए वहां की जनता किसी भी समय भड़क सकती है। प्रदेश की जनता का गुस्सा किसी भी समय भड़क कर कानून और व्यवस्था की स्थिति के लिए संकट पैदा कर सकता है।

अत: मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री जी प्रार्थना करूंगा कि नांदेड़ डिवीजन, जिसे साउथ सेंट्रल रेलवे में रखा गया है उसे वहां से हटा कर सेंट्रल रेलवे में रखा जाए। इस सदन के माध्यम से मैं सरकार से अपील करता हूं कि वह इस संबंध में तुरंत ध्यान दें तथा जनता की भारी मांग व रोा के मद्देनज़र मराठवाड़ा क्षेत्र की रेल लाईनों को तुरंत मध्य रेलवे के अंतर्गत हस्तांतरित करने हेतु कदम उठाएं, यही मेरी मांग है।

श्री शिवाजी माने (हिंगोली) : इस विाय पर मैं भी इनका समर्थन करता हूं।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri H.D. Deve Gowda, your notice about the transporters' strike has been received for the 'Zero Hour'.

SHRI H.D. DEVE GOWDA (KANAKPURA): Actually, I wanted to raise the issue of weavers.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, हमने भी कालिंग अटेंशन का नोटिस दिया हुआ है।

अध्यक्ष महोदय : चार माननीय सदस्यों ने इसी विाय पर नोटिस दिया हुआ है, उनमें से देवेगौड़ा जी भी हैं।